

Central Water Commission
WSE Dte.,

West Block II, Wing No-4
R. K. Puram, New Delhi – 66.

Dated 26.02.2019

Subject: Submission of News Clippings.

The News Clippings on Water Resources Development and allied subjects are enclosed for perusal of the Chairman, CWC, and Member (WP&P/D&R/RM), Central Water Commission. The soft copies of clippings will be uploaded on the CWC website.

P. Maheshwari
26.2.2019
SPA (Publicity)

Encl: As stated above.

O/c

~~Deputy Director, WSE Dte.~~

[Signature]
26/02/2019

~~Director, WSE Dte.~~

[Signature]
26/02

For information to

Chairman CWC, New Delhi

Member (WP&P/D&R/R.M.), CWC and all concerned, uploaded at www.cwc.nic.in

News item/letter/article/editorial Published on ... 26/9/2019 ... in the

Hindustan Times

Statesman

The Time of India (New Delhi)

Indian Express

Tribune

Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)

Punjab Keshari (Hindi)

The Hindu (New Delhi)

Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle

Deccan Herald

The Times of India (A)

Business Standard

The Economic Times

and documented at Bhagirath (English) & Publicity Section, CWC

'Over 50% chance this yr of normal monsoon'

Early Indications Rule Out Drought

Amit Bhattacharya
@timesgroup.com

New Delhi: There's more than a 50% chance the monsoon will be normal this year, private weather agency Skymet said in a "preliminary" monsoon forecast on Monday, the first by any agency this year.

Skymet said early indications were the 2019 southwest monsoon would be in the lower end of the normal range while nearly ruling out a drought year or excess rainfall. The monsoon is said to be normal if rainfall across India is 96 to 104% of the long period average. Less than 90% monsoon rainfall is

SKYMET SAYS

➤ Highest probability (over 50%) of normal monsoon. Chances of 'below-normal' monsoon also high

➤ Drought or excess rainfall almost ruled out

➤ Detailed forecast in late March or early April



popularly termed as a drought year. "The preliminary forecast is aimed at providing an early indication of monsoon rainfall so as to give lead time to agencies involved in preparing for the season," said G P Sharma, lead meteorologist at Skymet.

► Continued on P 17

Skymet's full forecast in late March or early April

► Continued from P 1

While keeping the probability of a normal monsoon at more than 50%, the forecast warned that there was also a significant chance of the June-September rainfall ending in the below-normal range (90 to 96%). Skymet will release a full forecast in late March or early April, with separate predictions for India's four regions as well as month-wise rainfall breakup.

The southwest monsoon from June to September provides nearly 70% of India's annual rainfall and is crucial for the rural economy and the summer crop. The indication of normal rains should bring cheer to the sector. While Skymet said the margin of error of its forecast was the usual 5% on either side, such early predictions usually suffer from higher uncertainty because of what meteorologists call the "spring predictability barrier". Due to this barrier, weather models have a harder time making accurate forecasts about the post-spring season because of changing variables during the spring. G P Sharma, lead meteorologist at Skymet, however said, January-February data had worked well for monsoon forecasts in the past.

Full report on www.toi.in

News item/letter/article/editorial Published on 26/2/2019 in the

Hindustan Times

Statesman

The Time of India (New Delhi)

Indian Express

Tribune

Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)

Punjab Keshari (Hindi)

The Hindu (New Delhi)

Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle

Deccan Herald

The Times of India (A)

Business standard

The Economic Times

and documented at Bhagirath (English) & Publicity Section, CWC

Financial Express,

No water shortage, management not adequate: Gadkari

INDIA DOES NOT have shortage of water but the management of water is not adequate, Union minister Nitin Gadkari said on Monday. He made the comments at the National Water Awards ceremony for 2018. "India does not have shortage of water but the management of water is not adequate. The need to institute national-level water awards spanning across sectors was strongly felt to encourage people to play their role in conservation of water," he said.

News item/letter/article/editorial Published on ... 26/9/2019 ... in the

Hindustan Times
Statesman
The Time of India (New Delhi)
Indian Express
Tribune

Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu (New Delhi)
Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle
Deccan Herald
The Times of India (A)
Business standard
The Economic Times

and documented at Bhagirath (English) & Publicity Section, CWC

■ £20-mn IIT-UK Project to Tackle Water Security Issues



NEW DELHI: IIT-Delhi has partnered with UK Research and Innovation to work on a 20-million pound project to develop new

approaches to tackle challenges to water security and sustainable development. 80% of the world's population lives in areas threatened by water security, but efforts to resolve this are repeatedly thwarted by factors such as pollution, extreme weather, urbanisation, over-abstraction of groundwater and land degradation, according to experts at the Indian Institute of Technology (IIT) in Delhi. The UK Research and Innovation is a new body that works in partnership with universities, research organisations, businesses, charities, and government to create the best possible environment for research and innovation to flourish, as per its website.

Hindustan Times
Statesman
The Time of India (New Delhi)
Indian Express
Tribune

Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu (New Delhi)
Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle
Deccan Herald
The Times of India (A)
Business standard
The Economic Times

and documented at Bhagirath (English) & Publicity Section, CWC

Jansatta,



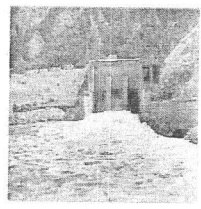
सम-सामयिक

जल बंटवारा : भारत व पाक के लिए कितना मुफीद विवाद

जनसत्ता संवाद

भारत से बहने वाली तीन नदियों का पानी पाकिस्तान को रोकने के केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के ऐलान के बाद सिंधु जल संधि को लेकर बहस का दौर शुरू हो गया है। गडकरी के मंत्रालय के मुताबिक, रावी, सतलज और ब्यास नदियों का पानी बांध बनाकर रोका जाएगा। शाहपुर-कांडी बांध बनाने का काम हो रहा है। अब मंत्रिमंडल अन्य दो बांध बनाने पर फैसला लेगा।

क्या है सिंधु जल संधि की पृष्ठभूमि ?
ब्रिटिश राज के दौरान ही दक्षिण पंजाब में सिंधु नदी घाटी पर बड़े नहर का निर्माण करवाया था। उस इलाके को इसका इतना लाभ मिला कि बाद में वह दक्षिण एशिया का एक प्रमुख कृषि क्षेत्र बन गया। भारत और पाकिस्तान के बीच बंटवारे के दौरान जब पंजाब को विभाजित किया गया तो इसका पूर्वी भाग भारत के पास और पश्चिमी भाग पाकिस्तान के पास गया। सिंधु नदी घाटी और इसके विशाल नहरों को भी विभाजित



रद्द हो सकती है संधि ?

वैश्विक झगड़ों पर किताब लिख चुके ब्रह्म वेलांनी के मुताबिक, भारत गियना समझौते के लॉ ऑफ टीटीज की धारा 62 के अंतर्गत यह कहकर पीछे हट सकता है कि पाकिस्तान चरमपंथी गुटों का उसके खिलाफ इस्तेमाल कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय कह चुका है कि अगर मूलभूत स्थितियों में परिवर्तन हो तो किसी संधि को रद्द किया जा सकता है।

पाकिस्तान पर दबाव बनाना चाहता था। बाद में भारत पानी की आपूर्ति जारी रखने पर राजी हो गया। 1951 में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने टेनसी वैली अथॉरिटी के पूर्व प्रमुख डेविड लिलियंथल को भारत बुलाया। लिलियंथल पाकिस्तान गए और वापस अमेरिका लौटकर उन्होंने सिंधु नदी घाटी के बंटवारे पर एक लेख लिखा। यह लेख विश्व बैंक के प्रमुख और लिलियंथल के दोस्त डेविड ब्लैक ने भी पढ़ा और ब्लैक ने भारत और पाकिस्तान के प्रमुखों से इस बारे में संपर्क किया और फिर शुरू हुआ दोनों पक्षों के बीच बैठकों का सिलसिला। आखिरकार 19 सितंबर 1960 को कराची में सिंधु नदी घाटी समझौते पर हस्ताक्षर हुए। समझौते से क्या है ?

पाकिस्तान में भारत के पूर्व राजदूत जी पार्थसारथी के मुताबिक, सिंधु समझौते के तहत सिंधु नदी घाटी की नदियों को पूर्वी और पश्चिमी नदियों में विभाजित किया गया। इंदलम और चेनाब को पश्चिमी नदियां बताया गया। रावी, ब्यास और सतलज को पूर्वी नदियां बताते हुए इनका पानी भारत के लिए तय किया गया। भारत पूर्वी नदियों के पानी का, कुछ अपवादों

को छोड़कर, बेरोकटोक इस्तेमाल कर सकता है। पश्चिमी नदियों के पानी के इस्तेमाल का कुछ सीमित अधिकार भारत को भी दिया गया था, जैसे बिजली बनाना, कृषि के लिए सीमित पानी आदि। दोनों देशों के बीच समझौते को लेकर बातचीत करने और साइट के मुआयना आदि का प्रावधान भी है। इसी समझौते में सिंधु आयोग स्थापित किया गया जिसके तहत दोनों देशों के आयुक्तों के किसी भी विवाद पर बात करने और समय-समय पर आपस में मिलने का प्रावधान रखा गया। किसी भी विवादित मुद्दे पर तटस्थ विशेषज्ञ की मदद लेने या कोर्ट ऑफ ऑर्बिट्रेशन में जाने का प्रावधान भी रखा गया है।

को छोड़कर, बेरोकटोक इस्तेमाल कर सकता है। पश्चिमी नदियों के पानी के इस्तेमाल का कुछ सीमित अधिकार भारत को भी दिया गया था, जैसे बिजली बनाना, कृषि के लिए सीमित पानी आदि। दोनों देशों के बीच समझौते को लेकर बातचीत करने और साइट के मुआयना आदि का प्रावधान भी है। इसी समझौते में सिंधु आयोग स्थापित किया गया जिसके तहत दोनों देशों के आयुक्तों के किसी भी विवाद पर बात करने और समय-समय पर आपस में मिलने का प्रावधान रखा गया। किसी भी विवादित मुद्दे पर तटस्थ विशेषज्ञ की मदद लेने या कोर्ट ऑफ ऑर्बिट्रेशन में जाने का प्रावधान भी रखा गया है।

एक अप्रैल 1948 को जब समझौता लागू नहीं रहा तो भारत ने दो प्रमुख नहरों का पानी रोक दिया, जिससे पाकिस्तानी पंजाब की 17 लाख एकड़ जमीन पर हालात खराब हो गए। भारत के इस कदम के कई कारण बताए गए, जिसमें एक था कि भारत कश्मीर मुद्दे पर

Hindustan Times
Statesman

The Time of India (New Delhi)
Indian Express
Tribune

✓ Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu (New Delhi)
Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle
Deccan Herald
The Times of India (A)
Business standard
The Economic Times

and documented at Bhagirath (English) & Publicity Section, CWC

अभी दो-तीन दिन मौसम ऐसा ही बना रहेगा, मैदानी इलाकों में भी ठंड बढ़ेगी

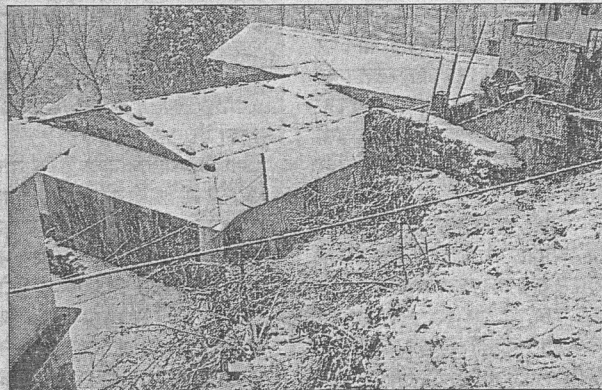
उत्तराखंड-हिमाचल में फिर बारिश और बर्फबारी



पिथौरागढ़/चंपावत/शिमला | हिंदी

पिथौरागढ़ मुख्यालय में ओलों की बरसात और मुनस्यारी में बर्फबारी से एक बार फिर तापमान में गिरावट आ गई है। सोमवार शाम मुख्यालय समेत ऊंचाई वाले इलाकों में ओलावृष्टि शुरू हो गई। वहीं हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में भारी बर्फबारी हुई।

मुनस्यारी में सोमवार को उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश शुरू हो गई। शाम होते होते मुनस्यारी बाजार में भी बर्फबारी गिरने का सिलसिला जारी हो गया। बर्फबारी से एक बार फिर तापमान में गिरावट आ गई है। मुनस्यारी का न्यूनतम तापमान -2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। चंपावत जिला मुख्यालय में



मुनस्यारी में सोमवार को ताजा बर्फबारी हुई। • हिन्दुस्तान

सोमवार को ओलावृष्टि ने मौसम में ठंडक बढ़ा दी। ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान हुआ है। लाहूर घाटी में सोमवार को जमकर ओलावृष्टि हुई।

आज से बारिश के साथ ओले गिरने की संभावना: हल्द्वानी। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में उत्तराखंड के अधिकांश क्षेत्रों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के

अनुसार, दो दिनों में नैनीताल जिले में बारिश और ऊधमसिंह नगर सहित सात जिलों में ओलावृष्टि की संभावना है।

आज भी हिमपात की संभावना: मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को भारी हिमपात और बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। केलोंग तथा कल्पा में रविवार और सोमवार सुबह हिमपात हुआ।

केदारनाथ, औली में हिमपात
रुद्रप्रयाग। सोमवार को केदारनाथ में दिनभर रुक-रुककर बर्फबारी हुई। धाम में एक फीट नई बर्फ गिरी है। इधर इससे लगी अन्य पहाड़ियों में भी हिमपात हुआ है। जबकि निचले क्षेत्रों में दोपहर बाद बारिश हुई।

बिहार में बारिश के आसार

पटना। पश्चिम बंगाल के विभिन्न इलाकों में सोमवार को दस्तक देने वाले 'नॉर्वेस्टर' तूफान का असर बिहार में तो नहीं है, लेकिन एक ट्रफ लाइन के पूर्वी बिहार से गुजरने के कारण कई जिलों में गरज के साथ बारिश के आसार हैं। पटना सहित अन्य हिस्सों में भी अगले दो दिनों में बारिश हो सकती है।

'नॉर्वेस्टर' की दस्तक

कोलकाता। 'नॉर्वेस्टर' तूफान ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की राजधानी और आसपास के इलाकों में दस्तक दी जिससे कई इलाकों में तेज बारिश हुई और पेड़ उखड़ गए। कुछ जगहों पर तार टूटने की भी खबर है।

जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग बंद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में ताजा भूस्खलन के बाद जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग को सोमवार को आवागमन के लिए बंद कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रामबन जिले के मरोगे इलाके में ताजा भूस्खलन के बाद इस राजमार्ग को बंद कर दिया गया है।

News item/letter/article/editorial Published on 26/2/2019 in the

Hindustan Times
Statesman

The Time of India (New Delhi)

Indian Express
Tribune

Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)

Punjab Keshari (Hindi)

The Hindu (New Delhi)

✓ Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle

Deccan Herald

The Times of India (A)

Business standard

The Economic Times

and documented at Bhagirath (English) & Publicity Section, CWC

अनुमान : कई जिलों में भारी तबाही

पश्चिम बंगाल में चक्रवात कालबैशाखी से 6 की मौत

RR-26

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में शनिवार की रात चक्रवाती तूफान कालबैशाखी ने कई जिलों में भारी तबाही मचाई। इससे 6 लोगों की मौत हो गई है। रविवार रात लगभग 12 बजे से बूदाबूदा से बदले मौसम ने रात 2.00 बजे से भयावह रूप धारण कर लिया। तेज हवा और गरज के साथ कहीं हल्की तो कहीं झमाझम बारिश हुई। कहीं-कहीं ओलावृष्टि भी हुई। तूफानी बारिश में बड़ी संख्या में पेड़ जड़ से उखड़ गए, कई सौ कच्चे मकान ढह गए।

उत्तर भारत में बारिश,
बर्फबारी की आशंका

नई दिल्ली. पश्चिमोत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से पहाड़ी और पूर्वोत्तर क्षेत्रों ओडिशा, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और झारखंड में अगले 48 घंटों में भारी बर्फबारी की आशंका है। मैदानी राज्यों राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में भी बारिश की संभावना है।